अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 जब अधिकारी के सब्र का बांध टूटा...
6 चेन्नई सुपर किंग्स फिर बना चैम्पियन...
7 सीखो कमाओ योजना-बेरोजगारों को निजी कंपनियों में ...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-20 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 30 मई से 04 जून 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

असम के लिए पहली वंदे भारत को पीएम ने दिखाई हरी झंडी, बोले- राज्य के पर्यटन क्षेत्र को मिलेगा बढ़ावा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वोत्तर के लोगों के लिए आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से असम के लिए पहली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई।

देश के अलग हिस्सों में शुरू होने के बाद पूर्वोत्तर राज्य असम को भी सोमवार को पहली वंदे भारत एक्सप्रेस मिल गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से असम में पूर्वोत्तर की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। बता दें, उत्तर-पूर्व की ओर जाने वाली वंदे भारत पश्चिम बंगाल में न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन और असम में गुवाहाटी के बीच चलेगी। प्रधानमंत्री ने हरी झंडी दिखाने के बाद कहा कि आज असम सहित पूरे उत्तर पूर्व की रेल कनेक्टिविटी के लिए एक बड़ा दिन है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस यहां रहने वाले लोगों के जीवन को आसान बनाएगी और इससे राज्य के पर्यटन क्षेत्र को भी बढ़ावा मिलेगा। पीएम ने कहा कि बीते 9 साल, भारत के लिए अभूतपूर्व उपलब्धियों के रहे हैं। नए भारत के निर्माण के रहे हैं। कल ही देश को आजाद भारत की भव्य-दिव्य आधुनिक संसद मिली है। ये भारत के हजारों वर्ष पुराने लोकतांत्रिक इतिहास को हमारे समृद्ध लोकतांत्रिक भविष्य से जोड़ने वाली संसद है।

दिल्ली में दिल दहला देने वाला मर्डर

युवक ने नाबालिग लड़की पर चाकू से किए 30 वार, फिर पत्थर से कुचलकर मार डाला

दिल्ली में नाबालिग लड़की की हत्या का सनसनीखेज सीसीटीवी सामने आया है। आरोपी युवक नाबालिग लड़की को कहासुनी होने पर गली में रोकता है। इसके बाद ताबड़तोड़ चाकू से वार करना शुरू कर देता है।

देश की राजधानी दिल्ली में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। दिल्ली के शाहबाद डेरी इलाके में एक युवक ने नाबालिग लड़की को चाकू से गोदने के बाद पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार, बाहरी उत्तरी जिले के शाहबाद डेयरी पुलिस थाना इलाके में यह वारदात हुई। आरोपी युवक की पहचान साहिल पुत्र सरफराज के रूप में हुई है। शुरुआती जानकारी मिली है कि आरोपी साहिल और लड़की के बीच कहासुनी होती है। इसके बाद आरोपी साहिल लड़की को गली में रोक लेता है। कुछ ही सेकंड बाद आरोपी साहिल लड़की पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला करना शुरू कर देता है।

सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि आरोपी साहिल लड़की को चाकू से लगातार गोद रहा है, गली में लोग उसके पास से आते-जाते दिखाई दे रहे हैं, लेकिन किसी ने भी बीच बचाव करने की जहमत नहीं उठाई। आरोपी साहिल ने लगातार 30 से अधिक बार चाकू से वार किए। इसके बाद उसने कई बार पत्थर से मारा। इसके बाद मौके से भाग गया। घायल लड़की को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मुखबिर ने बीट स्टाफ को नाबालिग युवती की हत्या की जानकारी दी। साथ ही पुलिस टीम को तुरंत घटनास्थल पर बुलाया। पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस पड़ताल में नाबालिग लड़की की पहचान 16 साल की साक्षी के रूप में हुई। मृतका ई-36 जेजे कॉलोनी के रहने वाले जनकराज की पुत्री थी।

पुलिस के अनुसार, साहिल और साक्षी के बीच संबंध थे, लेकिन रविवार को दोनों के बीच विवाद हो गया। जब साक्षी अपनी सहेली नीतू के बेटे के जन्मदिन में जा रही थी तो इसी दौरान साहिल ने उसे गली में रोक लिया। दोनों के बीच कहासुनी हुई। इसके बाद आरोपी साहिल ने उस पर ताबड़तोड़ चाकू से वार कर दिए। जब इतने में भी मन नहीं भरा तो आरोपी ने कई बार उस पर पत्थर उठाकर मारा।

दिल्ली के शाहबाद डेरी में एक नाबालिग मासूम गुड़िया को चाकू गोद-गोदकर मारा गया और उसके बाद पत्थर से उसे कुचल दिया गया। दिल्ली में दरिंदों के हौसले बुलंद हैं। पुलिस को नोटिस जारी कर रहे हैं। सब हदें पार हो गई हैं। मैंने अपने इतने वर्षों के करियर में इससे ज्यादा भयानक कुछ नहीं देखा।

महाकाल लोक में तेज हवाओं से गिरी मूर्तियां

उज्जैन स्थित प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में 'श्री महाकाल लोक' गलियारे की छह मूर्तियां तेज आंधी के चलते गिरकर क्षतिग्रस्त हो गईं.

मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में 'श्री महाकाल लोक' गलियारे की छह मूर्तियां रविवार दोपहर आयी तेज आंधी के चलते गिरकर क्षतिग्रस्त हो गईं. यह जानकारी एक अधिकारी ने दी. उन्होंने बताया कि जब मूर्तियां गिरीं तो यह गलियारा श्रद्धालुओं से खचाखच भरा हुआ था, लेकिन कोई भी व्यक्ति हताहत नहीं हुआ. उन्होंने स्वीकार किया कि मूर्तियों और गलियारे के काम में गुजरात की कंपनियों को लगाया गया था.

उधर, इस मामले पर कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने इस पूरे प्रोजेक्ट में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है. सिलसिलेवार ट्वीट्स में दिग्विजय ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं.

पूर्व सीएम ने ट्वीट किया- %कोई ऐंसी योजना नहीं है जिसमें भाजपा ने भ्रष्टाचार ना किया हो. उज्जैन के महाकुंभ में घटिया निर्माण किया और अब ?750 करोड़ से बना महाकाल लोक कॉरिडोर जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री ने किया उसकी मूर्तियाँ तेज़ हवा में ही गिर गयीं!!

उन्होंने लिखा- महेश परमार कांग्रेस विधायक ने जो माननीय लोकायुक्त को जाँच करने के लिए अनुरोध किया था सही निकला. भगवान शिवजी की मूर्ति तेज हवा में ही खंडित हो गईं!! निर्माण किसने किया था? गुजरात की कंपनी ने.प्रधानमंत्री जी यह आपके लिये शुभ संदेश नहीं है.

कांग्रेस नेता ने लिखा- अब इस से बड़ा प्रमाण क्या हो सकता है? क्या मोदी जी, शिवराज चौहान जी से स्पष्टीकरण लेंगे? मध्यप्रदेश में कोई भी योजना नहीं है जिसमें भ्रष्टाचार ना हुआ हो. अब महाकाल के नाम पर भी भाजपा पैसे खा गई!!

उज्जैन के जिलाधिकारी कुमार पुरुषोत्तम ने बताया, ''श्री महाकाल लोक गलियारे में 160 मूर्तियां हैं, जिनमें से आज दोपहर आयी तेज आंधी से छह मूर्तियां गिरकर टूट गईं. ये टूटी मूर्तियां वहां स्थापित किये गये सात सप्त ऋषियों में से हैं और करीब 10 फीट ऊंची थी. ठेकेदार नयी मूर्तियां लगाएंगे, क्योंकि पांच साल तक की देखरेख का जिम्मा भी उनका ही है. हम आगे के लिए भी नियम और सख्त कर रहे हैं और उनकी जवाबदारी तय करने वाले हैं.''

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, आगजनी के बाद सरकार की सख्ती, अब तक 40 उग्रवादी ढेर

मणिपुर के कई हिस्सों में रविवार को फिर से हिंसा भड़क उठी जिसमें दो लोगों की मौत हो गई. मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने रविवार को बताया कि घरों में आगजनी और लोगों पर गोलीबारी करने में शामिल लगभग 40 सशस्त्र उग्रवादियों को सुरक्षा बल ढेर कर दिया है.हिंसाग्रस्त मणिपुर में शांति बहाली के तमाम प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन इसके बावजूद भी कई जगहों पर हिंसा की खबरें आ रही हैं. रविवार को भड़की हिंसा में दो लोगों की मौत हो गई. मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बताया कि सुरक्षाबलों ने जातीय दंगों से घिरे उत्तर पूर्वी राज्य में शांति बहाली एक अभियान शुरू किया है और अभी तक सुरक्षाबलों ने 40 सशस्त्र उग्रवादी मार गिराए हैं. ये उग्रवादी घरों में आग लगाने और आम लोगों पर गोलीबारी करने में शामिल थे.।

बृजभूषण के खिलाफ धरना दे रहे पहलवान दिल्ली से रवाना-पुलिस बोली- कानून तोड़े, दोबारा धरना देने आए तो जंतर-मंतर नहीं, दूसरी जगह भेजेंगे

जंतर-मंतर पर रविवार को पुलिस से हुई झड़प के बाद पहलवान सोमवार को दिल्ली से रवाना हो गए। पुलिस ने कहा कि हमने 38 दिन से धरना दे रहे पहलवानों को हर मुमकिन सुविधा दी थी, लेकिन रविवार को इन लोगों ने कानून तोड़ा। डिप्टी पुलिस कमिश्नर सुमन नालवा ने कहा- अगर पहलवानों ने अगली बार धरने की इजाजत मांगी तो हम उन्हें जंतर-मंतर नहीं, दूसरी जगह पर भेजेंगे। दरअसल, रविवार को झड़प के बाद रेसलर साक्षी ने कहा था कि अब जंतर-मंतर पर सत्याग्रह करेंगे। रविवार को नई संसद के सामने महिला महापंचायत बुलाई गई थी। रेसलर्स ने वहां जाने के लिए मार्च निकाला और बैरिकेड्स भी तोड़े। इस दौरान पुलिस के साथ झड़प भी हुई। इसके बाद विनेश फोगाट, साक्षी मलिक, बजरंग पूनिया समेत कई पहलवानों को हिरासत में लिया गया। हालांकि, बाद में उन्हें रिहा भी कर दिया गया।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अखबार

जब अधिकारी के सब्र का बांध टूटा

छत्तीसगढ़ के कांकेर में एक अधिकारी का मोबाइल फोन बांध के पानी में गिरा तो अधिकारी के सब्र का बांध ही टूट गया। उसने पंप लगा कर पूरे जलाशय को उलीचना शुरू कर दिया। गनीमत थी कि मोबाइल मिल गया, वरना अधिकारी महोदय जलाशय को पूरा ही सुखा डालते। बताया जा रहा है कि चार हजार एक सौ चार घन मीटर यानी इकतालीस लाख लीटर पानी बहा, तब जाकर उनके मोबाइल के दर्शन हुए और फिर जाकर उनको सुकून मिला।

निस्संदेह मोबाइल महंगा और महत्त्वपूर्ण रहा होगा, तभी तो अधिकारी महोदय ने उसे तलाशने में यह विवेक भी खो दिया कि इस गर्मी के मौसम में इतने पानी से कितने लोगों की प्यास बुझ सकती थी, कितने खेतों की फसलें जी उठतीं। मगर फिर बात यह भी है कि वह अधिकारी ही क्या, जो अपने अधिकार का उपयोग और दुरुपयोग न करे।

बताया जा रहा है कि साहब कुछ दोस्तों के साथ उस बांध पर सैर-सपाटे के लिए गए थे। मोबाइल से आत्मछवि उतार रहे थे कि मोबाइल हाथ से फिसल कर जलाशय में लीन हो गया। बस, साहब का कोप उस जलाशय पर फूटा और उन्होंने उसे कुछ उसी प्रकार उसे सुखा डालने का संकल्प ले लिया, जैसे राम ने समुद्र को सुखाने का लिया था। बस, आनन-फानन पंप मंगाए गए और उलीच दिया गया जलाशय। जाहिर है, इससे दोस्तों पर साहब का रोब भी पड़ा होगा।

जिन साहब का फोन जलाशय में गिरा था वे छत्तीसगढ़ में खाद्य निरीक्षक के पद पर तैनात थे। अब वे उस पद पर नहीं हैं। वहां के जिलाधिकारी को जब इस घटना की खबर मिली तो उन्होंने उन साहब को निलंबित कर दिया। शायद उन साहब ने सोचा भी न होगा कि जिलाधिकारी महोदया उनके इस फैसले पर इस कदर कुपित हो जाएंगी।

उन्हें निलंबित करने के पीछे तर्क दिया गया है कि उन्होंने बांध का पानी उलीचने के लिए संबंधित अधिकारी से आज्ञा नहीं ली थी। उन अधिकारी महोदय के भीतर कहीं न कहीं यह भरोसा रहा होगा कि एक अधिकारी दूसरे अधिकारी के मन की पीड़ा समझता ही है, तो फिर इतने भर से काम के लिए उसे अनुमति देने-लेने की झंझट में क्यों डाला जाए। इसलिए उन्होंने उस अधिकारी की तरफ से भी खुद ही फैसला ले लिया। ऐसे फैसले तो प्रशासन में लेने ही पड़ते हैं, लिए ही जाते हैं, वरना व्यवस्था चलने ही न पाए! एक अधिकारी दूसरे अधिकारी का समर्थन न करे या अपने आप उसका समर्थन न प्राप्त कर ले, तो फिर वह काम ही कैसे करेगा।

हालांकि छत्तीसगढ़ के संबंधित अधिकारी महोदय का मोबाइल तलाश अभियान प्रशासनिक अधिकारियों के अपने शक्ति प्रदर्शन का एक उदाहरण भर है। पिछले साल की ही तो बात है, जब दिल्ली के अक्षरधाम वाले खेल गांव परिसर में एक अधिकारी महोदय ने स्टेडियम में अभ्यास कर रहे खिलाड़ियों को इसलिए हुलकार कर निकाल दिया कि वहां उनके कुत्ते के घूमने का वक्त हो गया था।

दरअसल, हमारे प्रशासनिक अधिकारियों को कार्य संस्कृति अंग्रेजी हुकूमत से विरासत में मिली है और उन्हें इस बात का अभिमान है कि उन्होंने उसे नष्ट नहीं होने दिया, बल्कि कुछ समृद्ध ही किया है। ऐसे में छत्तीसगढ़ वाले अधिकारी महोदय ने जो किया वह हैरान करने वाला नहीं। इसी हनक के चलते तो अधिकारियों का आम जन पर रोब-दाब बना रहता है। जनता का क्या है, वह तो भूखी-प्यासी रहने की अभ्यस्त है, रह लेगी।

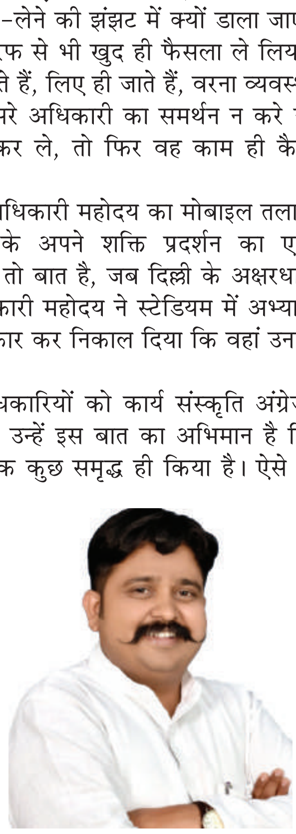

संपादक-
गोपाल गावंडे

नए संसद भवन से तमिलनाडु में सियासी एंट्री चाहती है BJP, हिंदुत्व नहीं 'संस्कृति' वाला इमोशनल कार्ड बनेगा गेमचेंजर

तमिलनाडु की सियासत में बीजेपी की दाल पिछले कई दशकों से नहीं गली है। उसी दाल को गलाने के लिए अब हिंदुत्व से ज्यादा संस्कृति पर जोर दिया जा रहा है। देश को लोकतंत्र का मंदिर एक नए स्वरूप में मिल गया है।

नए संसद भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। अब कहने को संसद भवन राजधानी दिल्ली में स्थित है, लेकिन इसका असर यहां से 2500 किलोमीटर दूर तमिलनाडु तक पड़ने वाला है। कहने को दक्षिण के इस राज्य से नए संसद भवन के लिए सिर्फ एक सेंगोल लाया गया है, लेकिन राजनीतिक चश्मे से समझें तो ये देश की सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी के लिए अवसर का एक नया द्वार है, वो द्वार जो पिछले कई दशकों से बंद पड़ा है, जहां अभी तक तमाम सियासी हथकंडों के बावजूद भी दाल नहीं गल पाई है।

बीजेपी का तमिलनाडु वाला द्वारा कैसे खुलेगा?

अब तमिलनाडु बीजेपी के लिए सियासी रूप से काफी अहम है। पिछले कुछ समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई ऐसे कार्यक्रम किए हैं, जिनका सीधा कनेक्शन तमिलनाडु से रहा है। शनिवार को ही जब पीएम सेंगोल लेने के लिए राज्य गए थे, उन्होंने जो बयान दिए, वो बताने के लिए काफी रहे कि बीजेपी सियासी फिजा को अपने पक्ष में करना चाहती है। पीएम मोदी ने अधीनम संतों के सामने कहा कि अभी तक सेंगोल को उचित सम्मान नहीं दिया गया था। इसे वॉकिंग स्टिक की तरह इस्तेमाल किया गया, प्रदर्शनी में रख दिया था। जबकि असल में गुलामी के हर प्रतीक से इस सेंगोल ने ही मुक्ति दिलवाई थी। हम अब इस सेंगोल को आनंद भवन से निकालकर लाए हैं। संबोधन में पीएम मोदी ने इस बात पर दुख भी जाहिर किया कि आजादी में तमिल लोगों के महत्व को नहीं समझा गया।

पीएम मोदी के मन में क्या चल रहा?

अब पीएम के इस बयान को दो तरह से देखा जा सकता है। पहला नजरिया तो ये कि जिस सेंगोल को देश के लोग भूल गए थे, या कह सकते हैं उसका ज्यादा जिक्र नहीं करते थे, पीएम मोदी ने अपने एक बयान के जरिए उसकी अहमियत को बताया और उसका तमिलनाडु से कनेक्शन भी जोड़ दिया। यानी कि नए संसद भवन में दक्षिण के इस राज्य की अहम भागीदारी दिखाई गई है। इसी तरह जब पीएम ने ये कहा कि आजादी में तमिल लोगों का अहम योगदान रहा, यहां भी भावनात्मक रिश्ता बनाने का प्रयास हुआ। समझने वाली बात ये है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद पिछले कुछ महीनों में कई बार तमिलनाडु की संस्कृति का जिक्र कर चुके हैं। मन की बात का कार्यक्रम रहे या फिर सरकार का कोई दूसरा प्रोग्राम, पीएम तमिल संस्कृति का जिक्र जरूर कर जाते हैं।

संस्कृति पड़ेगी हिंदुत्व पर भारी!

इसका सबसे बड़ा उदाहरण तब देखने को मिला जब पिछले साल पीएम मोदी ने वाराणसी में 'काशी तमिल संगमम' का उद्घाटन किया। उसका उदेश्य था काशी और तमिलनाडु के प्राचीन संबंधों को समझना और युवा पीढ़ी को दोनों की संस्कृति के बारे में बताना। बड़ी बात ये है कि दसवीं शताब्दी से ही वाराणसी और तमिलनाडु का गहना नाता रहा है। तमिलनाडु में तो कई काशी विश्वनाथ और विशालाक्षी के मंदिर भी हैं। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा था कि अगर एक तरफ काशी देश की सांस्कृति राजधानी है तो दूसरी तरफ देश की प्राचीनता और गौरव का केंद्र तमिलनाडु रहा है। ये संबंध गंगा-यमुना के संगम जितना पवित्र है। उस कार्यक्रम में पीएम ने तमिल भाषा को 'महान विरासत' भी कहा था।

तमिलनाडु की कैसी सियासत, बीजेपी क्यों फेल?

अब एक तरफ बीजेपी हिंदी भाषा को हर जगह तवज्जो देती है, तमिलनाडु में दही जैसे विवाद को भी हवा दे चुकी है, लेकिन बीजेपी के सबसे बड़े चेहरे पीएम मोदी को 'न्यूट्रल'की तरह दिखाया जा रहा है। उनकी तरफ से कई मंचों से तमिल भाषा के इतिहास और इसकी खूबसूरती का जिक्र किया जा चुका है। यानी कि पीएम लगातार तमिलनाडु को संदेश दे रहे हैं कि वे उनकी भाषा को भी पसंद करते हैं और उनकी संस्कृति का भी पूरा सम्मान रखते हैं। ये बात मायने इसलिए रखती है क्योंकि विपक्षी दल बीजेपी को 'हिंदी पट्टी' पार्टी कहकर सीमित दायरे में रखने का काम करते हैं, इसी वजह से कर्नाटक छोड़कर दक्षिण के दूसरे राज्यों में बीजेपी मजबूत पैठ नहीं जमा पाई है।

लेकिन अब नए संसद भवन के सेंगोल के जरिए, 'काशी तमिल संगमम' कार्यक्रम के जरिए, तमिल के बड़े कवियों को याद कर बीजेपी तमिलनाडु में अपनी छवि की रीब्रान्डिंग करना चाहती है। ये रीब्रान्डिंग इसलिए क्योंकि पार्टी कई कारणों की वजह से तमिलनाडु में अपनी सियासत नहीं चमका पाई है। इसका एक कारण ये है कि पार्टी के पास कोई भी बड़ा स्थानीय नेता नहीं है। जब दूसरी क्षेत्रीय पार्टियां उंगलियों पर एक नहीं कई नेताओं को आगे कर सकती हैं, बीजेपी के पास पीएम मोदी के अलावा कोई दूसरा नेता नजर नहीं आता। इसी तरह तमिलनाडु ने जिस तरह से खद को द्राविडियन विचारधारा से जोड़कर रखा है, उस वजह से बीजेपी के हिंदुत्व वाला नेरेटिव हमेशा कमजोर पड़ा है।

39 सीटों पर कितनी मजबूत हो पाएगी बीजेपी?

ऐसे में अब बीजेपी तमिलनाडु में हिंदुत्व से आगे बढ़ संस्कृति और इमोशनल कार्ड की तरफ बढ़ गई है। जो काम ध्रुवीकरण वाले मुद्दे नहीं कर पाए, वो इतिहास और प्राचीन संस्कृति के सहारे पूरे करने की कोशिश होगी। तमिलनाडु से लोकसभा की 39 सीटें निकलती हैं, बीजेपी यहां पर वर्तमान में तो निल बट्टे सन्नाटा है, लेकिन अब जब जयललिता और करुणानिधि जैसे बड़े दिग्गज नेताओं का निधन हुआ है, एक सियासी वैक्यूम बन गया है। बीजेपी इसी वैक्यूम का इस्तेमाल करना चाहती है। इसी कड़ी में पार्टी अब संस्कृति को अपना नया हथियार बना रही है। तमिलनाडु के लोग धार्मिक से ज्यादा भाषा और संस्कृति के साथ जुड़ाव महसूस करते हैं, ऐसे में बीजेपी को पूरा भरोसा है कि नए संसद भवन का सेंगोल और पीएम मोदी के तमिल संस्कृति को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम राज्य में पार्टी के लिए सियासी फिजा को बदल देंगे।

इस समय वैसे भी कर्नाटक में मिली करारी हार के बाद से दक्षिण से पूरी तरह अभी बीजेपी का सफाया हो चुका है। वो किसी भी राज्य में सरकार में नहीं है। पार्टी अब इसकी भरपाई लोकसभा चुनाव में करना चाहती है। उसे पता है कि अकेले दक्षिण के राज्यों से 100 से ज्यादा सीटें निकलती हैं, ऐसे में अगर कहीं दूसरी जगह प्रदर्शन कमजोर पड़ा तो इन्हीं राज्यों से भरपाई की जाएगी।

थाने की हवालात में चड्डी के नाड़े से लगा ली फांसी

पुलिस वालों ने देखा तो बचाई जान, उपचार के बाद जेल भेजा

इंदौर। मल्हारगंज थाने की हवालात में एक आरोपी ने अपनी चड्डी के नाड़े से फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या की कोशिश की। उसे करते हुए यहां ड्यूटी पर मौजूद पुलिस वालों ने देखा तो तत्काल फंदा खोला और उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया। वहीं मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ खुदकुशी के प्रयास का मामला दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार मल्हारगंज पुलिस रवि पिता रंजित पंवार (25) निवसी अजनोटिया ग्राम सरवर जम्बुड़ी तहसील हातोद को वारंट जारी होने के चलते पकड़कर लाई थी और उसे हवालात में बंद कर दिया था। दो दिन पूर्व गिरफ्तार किए गए रवि ने थाने की हवालात में ही शाम करीब छह बजे फांसी लगाकर खुदकुशी का प्रयास किया। दरअसल आरोपी ने हवालात के अन्दर स्वयं द्वारा अपने पेंट के नीचे पहने हुए अंडरवियर (चड्डी) का नाडा निकाल कर नाडे से फंदा गले में डालकर हवालात में बने लोहे के दरवाजे में बांध कर लटकने का प्रयास किया।

इस दौरान यहां ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसे देखा तो हड़कंप मच गया। तत्काल हवालात का ताला खोलकर रवि को बचाया गया और उसे इलाज के लिए पुलिसकर्मी निजी अस्पताल ले गए, जहां उसकी हालत सामान्य होने के बाद कल उसे जेल भेज दिया गया। बताया जाता है कि यदि समय रहते पुलिसकर्मियों की निगाह उस पर नहीं पड़ती तो रवि की जान भी जा सकती थी।

उधर, मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रवि के खिलाफ आत्महत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। बताते हैं कि एक मामले में रवि कई दिनों से फरार था। उसके खिलाफ वारंट भी जारी हुआ था। इसके बाद पुलिस ने उसे पकड़ा तो उसने हवालात में ही पुलिस से बचने के लिए आत्महत्या का प्रयास किया।

लापता युवक का मिला शव

इंदौर। आजाद नगर इलाके में आज सुबह एक युवक का शव पड़ा मिलने से सनसनी फेल गई। बताया जाता है कि वह कल से घर से लापता था। जानकारी के अनुसार आज सुबह पुलिस को सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र में एक युवक का शव पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसकी शिनाख्त धर्मेंद्र के रूप में की। पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि वह कल से लापता था। परिजन भी उसकी तलाश कर रहे थे। मामले में पुलिस का कहना है कि फिलहाल मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

दिवार गिरी, तीन घायल

इंदौर। बीती रात शहर में अचानक मौसम बदला और तेज आंधी के साथ बारिश भी होने लगी। इस दौरान बाणगंगा में रहने वाले एक परिवार के तीन लोग दिवार गिरने से घायल हो गए। बताते हैं कि परिवार के लोग रात में गहरी नींद में सो रहे थे, तभी अचानक घर की दीवार ढह गई, जिसके मलबे की चपेट में आने से दंपति और उनकी बच्ची घायल हो गइ। घर के आसपास रहने वालों ने तीनों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

पत्नी का सिर फोड़ा

इंदौर। महिला ने शराबी पति से घर का सामान लाने के लिए कहा तो उसने पत्नी की धुनाई की और पत्थर मारकर उसका सिर फोड़ दिया। राऊ पुलिस के मुताबिक पारिवारिक विवाद में मारपीट की घटना संजय नगर राऊ में हुई। यहां रहने वाली आशा पति सुरेश बोड़ाना (20) की रिपोर्ट पर पति सुरेश बोड़ाना पर केस दर्ज किया गया। महिला ने पुलिस को बताया कि उसका पति शराब पीने का आदी है। बीती रात वह नशे की हालत में घर आया था। जब उससे कहा कि घर में किराना खत्म हो गया है, सामान लेकर आना तो इसी बात पर पति ने गालियां दी और लात-घूंसों से पिटाई कर दी। इसी दौरान आरोपी पति ने पत्थर उठाकर सिर पर मार दिया जिससे सिर में चोट आई।

दो सौ सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तब पकड़ाए महिला से लूट के आरोपी

इंदौर। भंवरकुआं इलाके में वृद्ध महिला के साथ चैन लूट की वारदात करने वालों को पुलिस ने गिर तार कर लिया है। वारदात के बाद पुलिस ने करीब 200 सीसीटीवी फुटेज खंगाले और उसके बाद उन्हें गिरफ्त में ले लिया।

वारदात के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में मिले हुलिए के आधार पर दीपेश नायक निवासी अमर पैलेस कालोनी व रोहित उर्फ नट्टू सागोरे निवासी अमर पैलेस कालोनी को पकड़ा। पूछताछ करते बदमाशो से लूट की गई सोने की चैन सहित एक बिना नंबर की बाइक भी जब्त की गई है।

वारदात के छह घंटे में ही पकड़ाए आरोपी

चोरी के सामान का बंटवारा कर लिया था, साढ़े तीन लाख का माल बरामद

इंदौर। एरोड्रम थाना क्षेत्र में दो घरों में चोरी की वारदात के छह घंटे के अंदर की पुलिस ने आरोपियों को धरदबोचा। आरोपियों ने चोरी के माल का बंटवारा कर लिया। एक आरोपी चोरी का माल ठिकाने लगाने के लिए अशोक नगर जाने वाला था। पुलिस ने उसे घेराबंदी कर धरदबोचा। आरोपियों से चोरी का करीब साढ़े तीन लाख रुपए का माल बरामद किया गया है। आरोपियों ने पुलिस की पूछताछ में स्वीकारा की नशे की लत को पूरा करने के लिए चोरी की वारदात करते थे।

पुलिस के अनसुार एरोड्रम थाने पर 28 मई को दो रहवासी कालोनी जिसमें सुविधी नगर एवं शांती नगर के फरियादीगण द्वारा चोरी की सूचना पर फरियादियों की रिपोर्ट पर पृथक- पृथक दो अपराध पंजीबध्द कराये गये थे । दिन दहाडे हुई चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देशन में पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए विशेष टीमें गठित कर क्षेत्र के सभी कालोनियो में लगे सीसीटीवी फुटेज देखना शुरू किया । उसी दौरान कालोनी में तीन बदमाश संदिग्ध तरीके से घुमते दिखाई दिये जिनके फुटैज एवं कैमरो को फॉलो किया जाकर तलाश करते हुवें मुखबीर लगाये गये ।

उसी दौरान तीन लड़को में से एक लड़का फुटैज अनुसार हुलिये का छोटा बागड़दा रोड़ पर घुमता दिखाई दिया जिसे पुलिस टीम द्वारा धरदबोचा जिसने अपना नाम अरविंद सिंह लोधी उम्र 22 वर्ष निवासी सहयोग नगर थाना चंदन नगर बताया उससे पूछताछ करते साथी गोलू उर्फ पुष्पेन्द्र भुरिया उम्र 24 वर्ष निवासी डायमंड पैलेस कालोनी थाना

दो मकानों में चोरी के बाद तलाश कर रही थी पुलिस

चंदन नगर व निलेश उर्फ काला नरवरिया उम्र 22 निवासी सहयोग नगर के साथ मिलकर दोनों चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया तथा माल व साथियों के संबंध में पूछताछ करते बताया कि चोरी का माल हमने आपसी में बटबारा कर लिया है मेरा साथी गोलू चोरी का माल ठिकाने लगाने के लिये अशोक नगर की बस से जाने वाला है। सूचना पर तुरंत पुलिस टीमों को रेल्वे स्टेशन तथा बस स्टेंड पर रवाना किया जाकर तलाश कराई गई जिसके फलस्वरूप अशोक नगर जाने वाली बस को विजय नगर चौराहे पर पुलिस टीम द्वारा जाते देख रोका गया तथा आरोपी गोलू की तलाश कर कब्जे पुलिस लिया गया बाद आरोपी अरविंद को भी उसके घर से धरदबोचा। तीनों आरोपियों से पृथक पृथक पूछताछ कर दोनों घटनाओ में चोरी किया मश्रुका सोने चादी के जेबर सहित नगदी रूपये सहित कुल मश्रुका साढ़े तीन लाख रूपये का बरामद किया गया ।

तीनों आरोपियों से पूछताछ में खुलाशा हुआ है कि तीनों आरोपी नशा करने के आदि है तथा नशे की लत पुरी करने के लिये चोरी की घटनाओ को अंजाम देते है। आरोपियों द्वारा बताया गया कि रात्रि में सुनसान होने से पकड़े जाने का भय रहता है वह दिन के समय कालोनी में घुमकर रैकी कर जिन घरो में ताले लगे होते है उनके समय देखकर निशाना बना लिया करते थे।

आरोपियों का पूर्व आपराधिक रिकार्ड खंगालते आरोपी गोलू उर्फ पुष्पेन्द्र के विरूध्द विभिन्न थानों में कुल एक दर्जन से अधिक अपराध चोरी, नकबजनी, डकैती की योजना तथा अवैध हथियार रखने जैसे अपराध पंजीबध्द होना पाये गये आरोपी हाल ही में जेल से रिहा हुआ है। आरोपी निलेश उर्फ काला के विरूध्द भी विभिन्न थानों पर चोरी व अन्य धाराओं में करीब आधा दर्जन अपराध दर्ज हैं।

डिलीवरी बॉय को नकली रिवॉल्वर की नोक पर लूटा, आरोपी पकड़ाए

इंदौर। राजेंद्र नगर इलाके में जोमेटो के डिलेवरी बाय को लूटने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी नशे की लत को पूरा करने कलिए वारदात करते थे। उन्होंने नकली रिवाल्वर की नोट पर डिलीवरी बाय को लूटा था।

टीआई सतीश पटेल के अनुसार शनिवार रात करीब 10.15 बजे जोमेटो कम्पनी का डिलिवरी बॉय सुमंत सिंह पिता शिवराज निवासी आनंद नगर नौलखा केशरबाग ब्रिज के सर्विस रोड के किनारे बाइक से दो बदमाशों ने रोका और उससे ड्राइविंग लाइसेंस मांगने लगे। नहीं देने पर एक बदमाश ने पेंट की जेब से रिवॉल्वरनुमा वस्तु निकाली और दिखाते धमकाया, इस दौरान दूसरे ने उसके हाथ से उसका मोबाइल छुड़ा लिया। फिर उसकी पेंट की जेब से उसका पर्स जिसमें 270 रूपए और उसका आधार कार्ड, पैन कार्ड आदि रखे थे जबर्दस्ती निकाल लिया। सुमंत ने शोर मचाया तो एक बदमाश वहां से भाग गया लेकिन मोबाइल छुड़ाने वाला दूसरे बदमाश शुभम जगदाले वहां मौजूद निगम कर्मी राहुल घावरी, जगदीश महादेव व करण यादव की मदद से पकड़ लिया गया। गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद दूसरे आरोपी रजत यादव की तलाश में टीम लगाई गई। मुखबिर से पुलिस को सूचना मिली कि वह जिंसी चौराहे के आसपास दिखा है। इसके बाद पुलिस ने उसे धरदबोचा। आरोपियों ने पूछताछ में पुलिस को बताया की शराब पीने रुपयों के लिए उन्होंने खिलौनानुमा नकली रिवॉल्वर से डरा कर लूट की थी।

दुष्कर्म का आरोपी पंजाब से गिरफ्तार

इन्दौर। युवती को झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने फरार आरोपी को पंजाब से गिरफ्तार किया है। पुलिस से बचने को वह अलग-अलग स्थानों पर फरारी काट रहा था।

राऊ पर पीड़िता ने रिपोर्ट की थी कि पीएससी की तैयारी के दौरान वर्ष 2021 में उसकी प्रिंस राजपूत निवासी भदोही मिजार्पुर उत्तर प्रदेश से पहचान हुई थी। प्रिंस और मैं अच्छे दोस्त बन गये थे। प्रिंस मुझे अक्टूबर 2021 को राऊ स्थित उसके किराये के कमरे पर ले गया और शादी का वादा कर मुझसे जबर्दस्ती शारीरिक संबंध बन लिए। इसके बाद प्रिंस अपने किराये के मकान को छोड़कर भाग गया था। पुलिस ने आरोपी प्रिंस की तलाश हेतु कई बार टीम उसके निवास स्थान भदोही उत्तर प्रदेश रवाना की गई, किन्तु आरोपी का पता नहीं चला। आरोपी के परिजनो से आरोपी के बारे मे पुछते तो उनके द्वारा बताया गया कि प्रिंस से हमारा कोई वास्ता नही रहा है।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अखबार

सेंगोल क्या है ?

नई संसद में क्यों रखी गई ?

भारत की नई संसद में सेंगोल को रखा गया है। पहले विधिवत लाकर पुरोहितों ने इसे नई संसद में समारोह स्थान पर रखा और पूजा पाठ की। इसके बाद में इसे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर मोदी जी ने दंडवत प्रमाण किया। प्रणाम करने के बाद इसे उन्होंने अपने हाथों से मुख्य स्थान पर रखा। आखिर या सेंगोल क्या है? क्यों नई संसद में रखी गई है?

सेंगोल क्या है

1. दक्षिण भारत में सेंगोल को राजदंड कहते हैं।
2. यह एक प्रकार की सुनहरी छड़ी होती है।
3.सेंगोल शब्द की उत्पत्ति तमिल के सेम्मई से मानी गई है जिसका अर्थ है नीतिपरायणता।
4.सेंगोल का इतिहास चोल राजवंश से जुड़ा हुआ है।
5.चोल वंश के राजाओं ने 1600 से अधिक वर्षों तक राज किया था।
6. चोल राजाओं का शासन क्षेत्र बहुत ही बृहत रहा है।
7. बंगला से लेकर संपूर्ण दक्षिण के क्षेत्रों के साथ ही समुद्री द्वीपों पर उनका राज रहा है।
8. सेंगोल को चोल राजाओं ने 2600 वर्ष पूर्व सत्ता हस्तांतरण का प्रतीक बनाया था।
9. एक राजा अपने वंश के दूसरे राजा या उत्तराधिकारी को यह राजदंड सौंपता था।
10. यह दंड राजा को सजा देने का अधिकार देता है, परंतु राजपुरोहित राजा को पलाश दंड से मारता हुआ कहता है कि धर्मदंडयो~ असि। यानि राजा को भी धर्म दंडित कर सकता है।
11. सेंगोल के ऊपरी सिरे पर बैठे हुए नंदी की प्रतिमा बनी हुई है।
12. समर्पण के प्रतीक नंदी की प्रतिमा इसका शैव परंपरा से संबंध प्रदर्शित करती है।
13. नंदी भगवान शिव के आगे इसी तरह स्थिर मुद्रा में रहते हैं, जिस तरह उनकी यह
14. स्थिरता शासन के प्रति अडिग होने का प्रतीक मानी जाती है।
15. इस तरह के राजदंड को राजा को सौंपे जाने का प्रमाण महाभारत में भी मिलता है।
15. युधिष्ठिर के राज्याभिषेक के दौरान उन्हें भी इसी तरह की एक झड़ी सौंपी गई थी।

नई संसद में क्यों रखी गई सेंगोल

भारत देश के सबसे पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को अंग्रेजो ने सेंगोल 1947 मे सौंपा था।

जवाहर लाल नेहरू जी को सौंपे जाने के बाद से सेंगोल को सभी लोग भूल गए थे, तभी से ये प्रयागराज में नेहरू संग्रहालय में सुरक्षित रखी हुई थी।

अब वर्तमान सरकार ने सेंगोल को नए संसद भवन में स्थापित किया है।

27 मई 2023 शनिवार को तमिलनाडु से दिल्ली आए अधीनम यानी पुजारी ने पीएम मोदी को मंत्रोच्चारण के बीच सेंगोल सौंपा।

इसके बाद संसद के उद्घाटन के दौरान पीएम मोदी ने संगोल को दंडवत प्रणाम करके नए संसद भवन में स्थापित किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 28 मई 2023 रविवार सुबह हवन पूजन के साथ लोकसभा स्पीकर की कुर्सी के पास सेंगोल की स्थापना के बाद नए संसद भवन का उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री ने 'सेंगोल' (राजदंड) को दंडवत प्रणाम किया और हाथ में पवित्र राजदंड लेकर तमिलनाडु के विभिन्न अधीनमों के पुजारियों का आशीर्वाद लिया। इसके बाद 'नादस्वरम' की धुनों के बीच प्रधानमंत्री मोदी सेंगोल को नए संसद भवन लेकर गए और इसे लोकसभा कक्ष में अध्यक्ष के आसन के दाईं ओर एक विशेष स्थान में स्थापित किया।

क्षीर भवानी मंदिर कहां है, क्या है महत्व? क्यों है चर्चा में?

इस समय क्षीर भवानी मंदिर काफी चर्चा में है। इस बार आतंकी हमलों के डर से कश्मीरी पंडित यहां जाने से कतरा रहे हैं। मां दुर्गा को समर्पित यह मंदिर कश्मीरी पंडितों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां पर हर साल ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष में मेला लगता है। पूर्णिमा पर सभी लोग एकत्रित होते हैं।

कहां है क्षीर भवानी मंदिर

क्षीर भवानी मंदिर श्रीनगर से करीब 27 किलोमीटर दूर तुलमुल्ला गांव में स्थित है। इस मंदिर के चारों ओर चिनार के पेड़ हैं और नदियों की धाराएं हैं। इस मंदिर का निर्माण 1912 में महाराजा प्रताप सिंह द्वारा करवाया गया जिसे बाद में महाराजा हरिसिंह द्वारा पूरा किया गया। हालांकि यह स्थान और यहां की मूर्ति रामायण काल की मानी जाती है।

क्यों चर्चा में है मंदिर

इस वक्त कश्मीर में जी-20 की बैठक के बाद दहशतजदा माहौल है। आतंकी हमलों के डर से जो कश्मीरी पंडित इस बार तुलमुला स्थित क्षीर भवानी के मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए नहीं जा पा रहे हैं वे जम्मू में बनाए गए माता राघेन्या के मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। हालांकि कुछ कश्मीरी हिन्दू मुख्य मंदिर में जाएंगे। पूरे मंदिर परिसर को सजाया गया है। जहां पर जलाए जाने के लिए सैकड़ों दीपों का बंदोबस्त किया गया है, परंतु इस साल ज्यादा लोगों ने पंजियन नहीं कराया है।

क्षीर भवानी मंदिर का क्या है महत्व?

क्षीर अर्थात खीर यहां का प्रमुख प्रसाद है।
यहां एक षट्कोणीय झरना है जिसे यहां के मूल निवासी देवी का प्रतीक मानते हैं।
मां दुर्गा को समर्पित यह मंदिर पंडित ही नहीं संपूर्ण कश्मीरी हिन्दुओं की आस्था के केंद्र है।

महाराग्य देवी, रग्न्या देवी, रजनी देवी, रग्न्या भगवती इस मंदिर के अन्य प्रचलित नाम हैं।
माता को प्रसन्न करने के लिए दूध और शकर में पकाए गए चावलों का भोग चढ़ाने के साथ-साथ पूजा-अर्चना और हवन किया जाता है।

मान्यता अनुसार यदि यहां स्थित झरने के पानी का रंग बदलकर सफेद से काला हो जाए तो पूरे क्षेत्र में अप्रत्याशित विपत्ति आती है।

श्रीराम और हनुमान से जुड़ा है यह मंदिर

मंदिर से जुड़ी किंवदंती के अनुसार सतयुग में भगवान श्रीराम ने अपने वनवास के समय इस मंदिर में पूजा की थी।

वनवास की अवधि समाप्त होने के बाद श्रीराम ने हनुमानजी को आदेश देकर यहां पर देवी की मूर्ति को स्थापित कराया था।

कहते हैं कि हनुमानजी माता को जलस्वरूप में अपने कमंडल में लाए थे।

यह भी कहा जाता है कि जिस दिन इस जलकुंड का पता चला, वह ज्येष्ठ अष्टमी का दिन था। इसलिए हर साल इसी दिन मेला लगता है।

भक्तों का मानना है कि माता आज भी इस जलकुंड में वास करती हैं।

यह जलकुंड वक्त के साथ-साथ रंग बदलता रहता है जिससे भक्तों को अच्छे और बुरे समय का ध्यान हो जाता है।

रावण की कुल देवी

एक कथा के अनुसार रावण की भक्ति से प्रसन्न होकर माता ने रावण को दर्शन दिए जिसके बाद रावण ने उनकी स्थापना श्रीलंका की कुलदेवी के रूप में की। परंतु कुछ समय बाद रावण के बुरे कर्म के चलते देवी उससे रूष्ठ होकर वहां से चली गईं। इसके बाद श्रीराम ने जब रावण का वध कर दिया तब उन्होंने हनुमानजी को आदेश देकर देवी के लिए उनका पसंदीदा स्थान चुनें और उनकी स्थापना करने को कहा। इस पर देवी ने कश्मीर के उक्त स्थान को चुना।

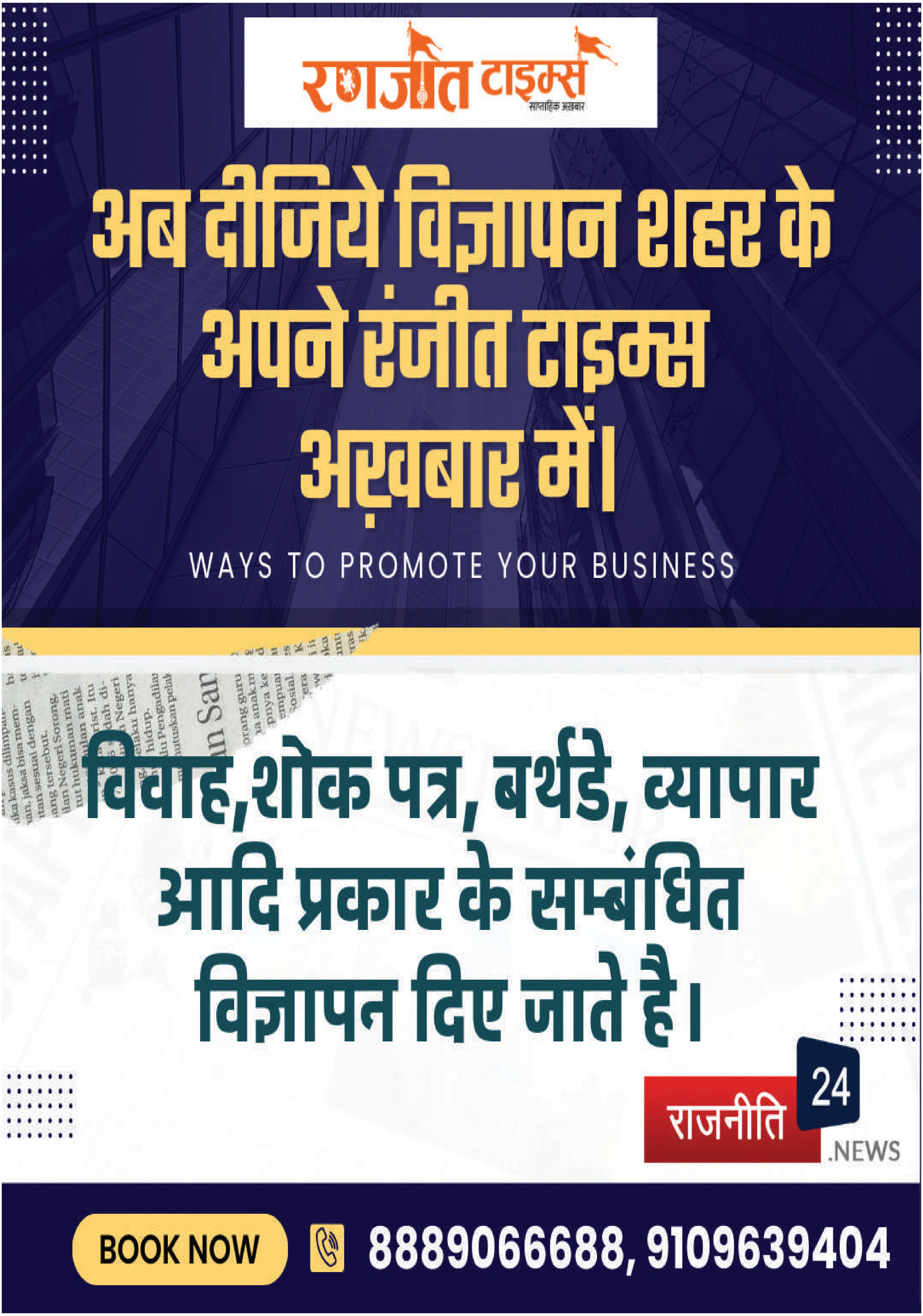
रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अखबार
अब दीजिये विज्ञापन शहर के अपने रंजीत टाइम्स अख़बार में।
WAYS TO PROMOTE YOUR BUSINESS
विवाह,शोक पत्र, बर्थडे, व्यापार आदि प्रकार के सम्बंधित विज्ञापन दिए जाते है।
राजनीति 24 .NEWS
BOOK NOW
8889066688, 9109639404

चेन्नई सुपर किंग्स फिर बना चैम्पियन

एमएस धोनी की कप्तानी में 5वीं बार जीता खिताब

चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2023 का खिताब अपने नाम कर लिया है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में चेन्नई ने गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराया। सीएसके को आखिरी दो गेंदों पर 10 रन की जरूरत थी। रवींद्र जडेजा ने 5वीं गेंद पर छक्का और आखिरी बॉल पर चौका जमाकर टीम को आईपीएल चैंपियन बना दिया। इसी के साथ एमएस धोनी ने सबसे ज्यादा आईपीएल खिताब जीतने के मामले में मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा की बराबरी कर ली है। धोनी और शर्मा ने 5-5 आईपीएल खिताब जीते हैं।

इस मैच में गुजरात ने 215 रन का लक्ष्य दिया था। बारिश के कारण डकवर्थ लुईस नियम के तहत इस टागरेट को 15 ओवर में घटाकर 171 रन कर दिया गया। जवाब में सीएसके ने 5 विकेट पर 171 रन बनाकर मैच जीत लिया। चेन्नई के लिए डेवोन ने सबसे ज्यादा 47 रन बनाए। शिवम दुबे ने 32 और अजिंक्य रहाणे ने 27 रन बनाए। गुजरात टाइटंस के लिए मोहित शर्मा ने 3 और नूर अहमद ने 2 विकेट लिए।

चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान एमएस धोनी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात टाइटंस की शुरुआत अच्छी रही। रिद्धिमान साहा और शुभमन गिल ने पहले विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी की। शुभमन को सातवें ओवर में रवींद्र जडेजा की गेंद पर एमएस धोनी ने स्टंप आउट किया। वह 20 गेंदों में 39 रन बनाकर सफल रहे। इसके बाद रिद्धिमान और साई सुदर्शन ने टीम को संभाला। साहा को दीपक चाहर ने धोनी के हाथों कैच कराया। रिद्धिमान साहा 39 गेंदों में 5 चौकों और 1 छक्के की मदद से 54 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद सुदर्शन और हार्दिक पांड्या के बीच साझेदारी हुआ। सुदर्शन ने 47 गेंद में 96 रन बनाए। आईपीएल 2023 में उनका यह तीसरा अर्धशतक है। उन्हें मथीशा पथिराना ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। रितुराज ने पारी की आखिरी गेंद पर राशिद खान का कैच लपका। वह खाता भी खोल नहीं सके। हार्दिक ने 12 गेंदों में दो छक्कों की मदद से 21* रन बनाए। चेन्नई की ओर से पथिराना ने 2 विकेट लिए। वहीं, चाहर और जडेजा को एक-एक सफलता मिली। तुषाद देशपांडे महंगे साबित हुए। उन्होंने 4 ओवर में 56 रन लुटाए।

एमएस धोनी-रायडू आउट

13वां ओवर काफी रोमांचक रहा। इस ओवर की शुरुआती 3 गेंदों पर अंबति रायडू ने 16 रन बनाए। मोहित शर्मा ने चौथी बॉल पर उन्हें कॉट एंड बोल्ड कर दिया। फिर अगली गेंद पर एमएस धोनी बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। धोनी का कैच डेविड मिलर ने लिया।

चेन्नई को तीसरा झटका, रहाणे हुए आउट

10 ओवर के बाद चेन्नई ने दो विकेट के नुकसान पर 112 रन बनाए। अजिंक्य रहाणे 27 रन बनाकर मोहित शर्मा की गेंद पर विजय शंकर के हाथों लपके गए। 12 ओवर के बाद स्कोर 133-3

चेन्नई को लगा दूसरा झटका

नूर अहमद ने चेन्नई को दूसरा झटका दिया। डेवोन कॉनवे 25 गेंद पर 47 रन पर आउट हुए। कॉनवे ने 4 चौके और दो छक्के लगाएं। 10 ओवर के बाद टीम का स्कोर 112/2

गायकवाड़ 26 रन पर आउट

चेन्नई सुपर किंग्स का पहला विकेट गिर चुका है। गायकवाड़ 26 रन के स्कोर पर चलते बने। रुतुराज को नूर अहमद ने राशिद खान के हाथों कैच आउट कराया।

आखिरी 2 गेंद और 10 रन

15 ओवर में 171 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स को आखिरी ओवर में 13 रन की जरूरत थी। मोहित शर्मा के सामने छत्र्स्व के शिवम दुबे और रवींद्र जडेजा थे। शुरुआती 4 गेंदों पर 3 ही रन आए। अब 2 गेंदों पर 10 रन की जरूरत थी।

मोहित ने पांचवीं गेंद स्लोअर यॉर्कर फेंकी, जडेजा क्रीज के अंदर गए और लॉन्ग ऑन की ओर बेहतरीन छक्का मार दिया। आखिरी बॉल मोहित ने लेग स्टंप पर फुल टॉस फेंकी, जडेजा ने फाइन लेग की ओर फ्लिक किया और चौका लगाकर चेन्नई को छ्क्क्र चैंपियन बना दिया।

माही ने जड्डू को गोद में उठाया

फाइनल की आखिरी गेंद पर चौका लगाते ही जडेजा जीत को सेलिब्रेट करते हुए छत्र्स्व के पवेलियन की ओर दौड़ पड़े। वह साथी खिलाड़ियों को दूर करते हुए धोनी के पास गए। जडेजा को देखते ही धोनी खुशी से झूम उठे और उन्हें गोद में उठा लिया। धोनी इमोशनल हो गए और जडेजा को बहुत देर तक गले लगाए रखा।

हार्दिक से गले मिलते ही हंसने लगे एमएस धोनी

फाइनल हारने के बाद गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा, भगवान भी जानते हैं कि सबसे ज्यादा इस ट्रॉफी को कौन डिजर्व कर रहा था। इसीलिए धोनी के हाथ में ट्रॉफी है और हमारे पास अगले सीजन की तैयारी करने के लिए नई सीख।%

मैच के बाद हार्दिक और धोनी एक-दूसरे को गले भी लगाते नजर आए। गुजरात अपने डेब्यू सीजन के बाद लगातार 2 सीजन के फाइनल खेलने वाली पहली ही टीम बनी। हालांकि वे लगातार दूसरा टाइटल जीतने वाली टीम नहीं बन सकी।

जींद की WWE फाइटर कविता पर बनेगी फिल्म-राष्ट्रपति दे चुके फर्स्ट लेडी अवॉर्ड; पूर्व IPS अफसर की प्रताड़ना से छोड़ा खेल

भारत की फ़र्स्ट लेडी अवॉर्ड से सम्मानित और हरियाणा के जींद के जुलाना के गांव मालवी निवासी महिला पहलवान कविता दलाल की जिंदगी पर बॉलीवुड मूवी (बायोपिक) बनेगी। ग्रांड स्केल पर फिल्म बनाने को लेकर कविता दलाल का मुंबई की टीम के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन हो गया है। टीम ने स्टोरी लिखनी भी शुरू कर दी है।

दंगल, मेरीकॉम समेत दूसरी बायोपिक फिल्मों की तरह कविता दलाल की जिंदगी भी रुपहले पर्दे पर दिखेगी। कविता दलाल तब ज्यादा चर्चा में आयी थी, जब वर्ष 2016 में सूट-सलवार पहनकर अंतरराष्ट्रीय पहलवान को पटखनी दी।फिलहाल वह आम आदमी पार्टी से जुड़ी हुई हैं। जंतर मंतर पर पहुंच कर उसने भी आरोप लगाया था कि पूर्व IPS अफसर की प्रताड़ना की वजह से वह रिंग से दूर हुई।

कद काठी ने बनाया वेट लिफ्टर

जुलाना के छोटे से गांव मालवी के किसान परिवार में पैदा हुई कविता दलाल को शुरू से ही दूध-दही खाने का शौक था। शारीरिक रूप से मजबूत और 5 फीट 11 ईंच की कद काठी होने के कारण उसका रुझान वेट लिफ्टिंग की तरफ गया। ग्रामीण परिवेश से निकलकर समाज और आर्थिक हालातों से लड़ते हुए कविता ने मेहनत की और धीरे-धीरे मेडलों की झड़ी लगा दी। कविता ने वेट लिफ्टिंग में नेशनल गेम्स में कई मेडल जीते। इसके अलावा साल 2016 में साउथ एशियार्ड में कविता ने गोल्ड मेडल जीता।

WWE की फाइट देखने का था शौक

कविता दलाल डब्ल्यूडब्ल्यूई की फाइट देखती थी। उसकी इच्छा भी थी कि वह भी इस तरह की फाइटों में भाग ले। इसको लेकर कविता ने जालंधर की एक एकेडमी में ट्रेनिंग शुरू की। वहां डब्ल्यू डब्ल्यू ई की फाइटिंग के लिए मेहनत करने लगी। साल 2016 में ही कविता दलाल देसी अंदाज में सूट सलवार पहनकर WWE के रिंग में उतरी। उसने विश्व स्तर की पहलवान को जबरदस्त पटखनी दी। इसकी वीडियो वायरल हुई तो देश ही नहीं, विदेशों में भी कविता दलाल ने सुर्खियां बटोरी।

राष्ट्रपति ने दिया फर्स्ट लेडी का अवॉर्ड

कविता दलाल ने यूएसए से डब्ल्यूडब्ल्यूई की टीम आई तो उसका सिलेक्शन हुआ। दुबई में होने वाली फाइटिंग के लिए वह भारत से अकेली महिला पहलवान थी। WWE के इवेंट में भी उसने सूट और सलवार में ही फाइटिंग की और भारतीय कल्चर को बढ़ावा दिया। इसके बाद उसकी पहचान बनने लगी। वर्ष 2017 में तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उन्हें फर्स्ट लेडी के अवॉर्ड से सम्मानित किया।

सहज योग के आदान से मिलता है निर्वाज्य प्रेम का वरदान

प्रेम जीवन की सबसे खुबसूरत अभिव्यक्ति है।?एक ऐसा सौंदर्यपूर्ण भाव जिससे क्रोध में तप रहा व्यक्ति शांत हो जाता है, दुख की पराकाष्ठा प्रेमलिप्त बोल से आशवस्त हो जाती है और तो और सिर्फ इंसान ही नहीं पशु और पक्षी को भी प्रेम से वश में किया जा सकता है।

प्रेम का गलत अर्थ लेकर उसका दुरूपयोग भी होता है। ? भोग विलास, स्वार्थ? व वासना से जुड़ा प्रेम, प्रेम नहीं। प्रेम तो निर्वाज्य होता है - निर्वाज्य यानि निष्कलंक, सरल, निर्दोष, छल-कपट से रहित, सच्चा, विशुद्ध और हर विध्न? और बाधा से रहित।

प्रेम की जीवंत मूर्ति बनना सिर्फ ज्ञानी के लिए ही संभव? है क्योंकि वही प्रेम की सही परिभाषा जानते हैं और उसे जीवन में उतार सकते हैं। सच्चा प्रे?म वही है जो बदलती परिस्थितियों? के साथ बदलता नहीं है। सच्चा प्रेम वही है जो कभी घटता बढता नहीं है। ना सम्मान मिलने पर प्रफुल्लित होता है ना अपमान? मिलने पर क्षुब्ध? होता है। प्रेमलिप्त व्यक्ति परिवार, समाज और? विश्व को एक? नजर से देखता है।

ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण से ही व्यक्ति के अंदर प्रेम स्थापित होने लगता है क्योंकि ईश्वर को समर्पित होते ही स्व का अहंकार समाप्त होने लगता है। हम अपने अंदर के सर्व दोषों को परम चैतन्य में विलीन? कर, सर्व गुणों को अपने अंदर स्थापित करने की विद्या सीख लेते हैं और यही है वो आध्यात्मिक रहस्य वाली विद्या जिसे सहज योग? कहते हैं।

परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी अपने अवतरण के रहस्य को बताते हुए कहती हैं, आपको प्रेम के सागर में विलीन होना है। पूरे सागर ने एक बादल? का रुप ले? लिया है। आदिशक्ति पृथ्वी पर अवतरित हुई आप लोगों पर चैतन्य की वर्षा करने के लिए। आपको? प्लावित? करने के लिए व? प्रेम के प्रगटीकरण के माध्यम से आपका विकास करने के लिए। परम पूज्य श्री माताजी के इस कथन? को? गहनता से? समझने के लिए हमें?न प्रेम के अनंत सागर में प्रवेश करना है तो? हमें सहज योग को जीवन से जोड़ना होगा। ? पूरा विश्व सहज योग से जुडे यही परमपूज्य?? श्री माताजी की व सभी सहज योगियों की आकांक्षा है।

सहज योग पूर्णतया निशुल्क हैं। अपने आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट sahajayoga.org.in पर देख सकते हैं।

स्मार्ट सिटी के सामने अधूरे प्रोजेक्ट को 15 जुलाई से पहले पूरा करने की चुनौती

इंदौर। स्मार्ट सिटी कंपनी के सामने शहर में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत चल रहे प्रोजेक्ट को 15 जुलाई से पहले पूरा करने की चुनौती है। ऐसे प्रोजेक्ट की संख्या 32 है। इनमें से कुछ प्रोजेक्ट पर तो 50 प्रतिशत से भी कम काम हुआ है। ऐसे में ये प्रोजेक्ट समय पर कैसे पूरे होंगे यह अधिकारियों को भी समझ नहीं आ रहा। स्मार्ट सिटी अब कोई नया प्रोजेक्ट हाथ में नहीं लेगी।

स्मार्ट सिटी सीइओ दिव्यांकसिंह के मुताबिक सभी 32 प्रोजेक्ट को पूरा करना बहुत मुश्किल काम है। राहत की बात यह है कि कुछ प्रोजेक्ट तो पूरा होने के मुहाने पर हैं। इनमें से किसी प्रोजेक्ट का 10 प्रतिशत काम बाकी है तो किसी का 5 प्रतिशत। ये प्रोजेक्ट तो आसानी से पूरे हो जाएंगे लेकिन जिन प्रोजेक्ट में लंबा काम बाकी है उन्हें 45 दिन में पूरा करना चुनौतीपूर्ण होगा। हम इन प्रोजेक्ट को समय पर पूरा करने का प्रयास करेंगे। जरूरत पड़ी तो इसके लिए कुछ साइट पर रात में भी काम किया जाएगा।

फर्क नजर आने लगा है

समय सीमा तय होने का असर चल रहे प्रोजेक्ट पर नजर आने भी लगा है। जिन जगहों पर अब तक सुस्त गति से काम चल रहा था वहां काम की गति अचानक बढ़ा दी गई है।

किसी नए प्रोजेक्ट को नहीं लेंगे

सिंह ने बताया कि फिलहाल स्मार्ट सिटी कंपनी किसी नए प्रोजेक्ट को हाथ में नहीं लेगी। स्मार्ट सिटी का समय पूरा होने से अब भविष्य में केंद्र सरकार इसमें आर्थिक मदद नहीं देगी। ऐसी स्थिति में कंपनी जो भी नया काम हाथ लेगी उसे कंपनी को खुद की आर्थिक व्यवस्था से पूरा करना होगा। यही वजह है कि सिर्फ वे ही काम किए जाएंगे जो फिलहाल चल रहे हैं। इसके अलावा कोई नया काम हाथ में नहीं ले लिया जाएगा।

इंदौर में 300 पेड़ धराशायी, बिजली गुल की 900शिकायतें-देर रात हवा-आंधी के साथ बारिश, 6 डिग्री गिरा पारा

रविवार देर रात मौसम अचानक बदला। रात 1 बजे से अचानक तेज हवाएं चलने लगीं। और कुछ ही देर में बारिश शुरू हो गई। शहर के अलग-अलग इलाकों में करीब एक घंटे तक तेज हवा के साथ जोरदार बारिश हुई। 24 घंटे में 4.5 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इससे इंदौर के तापमान में 6.1 डिग्री की गिरावट आई। मौसम विभाग की मानें सोमवार-मंगलवार की रात फिर मौसम बदल सकता है। बारिश की भी चेतावनी दी गई है। बारिश का असर 29 मई के दिन के तापमान पर भी पड़ा है। अधिकतम तापमान में 24 घंटे में 1.1 डिग्री की गिरा और 35 डिग्री पर आ गया। यह इन दिनों रहने वाले सामान्य तापमान से करीब पांच डिग्री कम है।

आंधी-तूफान के बीच हुई बारिश के कारण शहर और आसपास की 300 जगहों पर पेड़ गिरने की सूचना है। जबकि बिजली फॉल्ट होने की 900 शिकायतें मिली हैं। देपालपुर, हातोद सहित शहर कई आसपास के अन्य क्षेत्रों में घरों की चद्दरें उड़ गई। मौसम वैज्ञानिकों ने सोमवार को भी बारिश के साथ हवा चलने की बात कही है।

रात 1 बजे जब लोग अपने घरों में थे तो मौसम ने अचानक अपना रुख बदला। इस दौरान तेज हवा चलना शुरू हुई और उसने 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ ली। इससे लोगों की नींद खुल गई। हालांकि मौसम का असर कुछ स्थानों पर कम था तो कई स्थानों बहुत ज्यादा। तेज आंधी से कई क्षेत्रों में फीडर्स में फाल्ट हो गया और कई क्षेत्रों की बिजली गुल हो गई। इस दौरान बिजली की लाइनों पर पेड और कई स्थानों पर होर्डिंग्स गिर गए।

नगर निगम कंट्रोल रूम के मुताबिक रात को चिड़ियाघर के पास, महेश नगर, हीरा नगर, खजराना, स्नेह नगर, नार्थ राज मोहल्ला, नंदा नगर, जूना रिसाला, लक्ष्मीबाई नगर सहित कई स्थानों पर पेड़ गिरे। इसके बाद सुबह संगम नगर, टेलीफोन नगर, सर्व संपन्न नगर आदि क्षेत्रों से सूचनाएं मिली।

यहां निगम द्वारा पेड़ हटाकर बिजली चालू की जा रही है। शहरी क्षेत्र में कहीं भी कोई जनहानि नहीं हुई है। उधर, रात को मौसम बिगड़ने से इंदौर शहर वृत्त के 525 में से 11 केवी के 85 फीडर से बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। इसके बाद 4 घंटे में 80 प्रतिशत एवं 5 घंटे में 90 प्रतिशत व्यवस्था बहाल की गई। शेष 10त्न प्रभावित फीडरों पर कार्य तेजी से किया जा रहा है। यह काम जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

इस रफ्तार की यह आंधी करीब आधे घंटे तक चली जिसमें काफी नुकसान हुआ। भवानी नगर में एक मकान गिरने की सूचना है लेकिन नगर निगम के पास इसकी कोई सूचना नहीं है। इस दौरान पंचम की फेल स्थित कचरा प्लांट पर एक पेड़ गिर गया।

इसी तरह केट रोड पर दो पेड़ गिरे। बाणंगगा क्षेत्र में दीवार गिरी जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया। आंधी से अनूपनगर में बड़ा पेड़ 11 केवी लाइन पर गिरा। यहां नया पोल लगाकर लाइन चालू की जा रही है। एक बड़ा पेड खातीवाला टैंक क्षेत्र में भी गिरा है इसके अलावा दूरस्थ क्षेत्रों में कई पेड़ गिरे हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)

सीखो कमाओ योजना-बेरोजगारों को निजी कंपनियों में प्रशिक्षण के साथ हर माह प्रदान की जाएगी राशि

युवाओं को प्रशिक्षण के साथ ही 8,000 से 10,000 रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड भी दिया जाएगा।

शैक्षणिक व टेक्निकल योग्यता से मिलेगा प्रशिक्षण..

झाबुआ। बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा नई योजना लागू की जा रही है। जिसमें युवा अपनी पसंद का हुनर चुनकर उसमें प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें प्रतिमाह एक राशि भी प्रदान की जाएगी। इस योजना के अप्रेंटिस की तरह लागू किया जा रहा है। यह योजना तकनीकी शिक्षा,कौशल विकास एवं रोजगार विभाग द्वारा प्रस्तावित की गई है। जिसका नाम मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना है।

शुरू होगी जून माह से पंजीयन की प्रक्रिया...

योजना के तहत जून माह से पंजीयन की प्रक्रिया शुरू होगी। जिसका क्रियान्वयन कौशल विकास विभाग द्वारा किया जाएगा। इस योजना में 12वीं या आईटीआई पास अथवा उच्च शिक्षित युवा भी लाभान्वित हो सकेंगे। योजना अंतर्गत ट्रेनिंग के दौरान 5वीं से 12वीं उत्तीर्ण युवाओं को 8 हजार रुपए, आईटीआई पास को 8 हजार 500 रुपए, डिप्लोमाधारी को 9 हजार रुपए और स्नातक अथवा उच्च शिक्षित युवाओं को 10 हजार रुपए प्रशिक्षण के रूप में प्रतिमाह दिए जाएंगे। प्रशिक्षण के बाद छात्र प्रशिक्षणार्थी को रोजगार मिल सकेंगे।

होगा चयन होने पर ऑनलाइन अनुबंध.................

रजिस्ट्रेशन के बाद संस्थान रजिस्टर्ड युवाओं के ऑनलाइन या फोन पर साक्षात्कार ले सकेंगे। चयन होने पर ऑनलाइन अनुबंध होगा। प्रशिक्षण के दौरान दी जाने वाली स्टाइपेंड की राशि का 25 प्रतिशत संस्थान को प्रशिक्षणार्थी के बैंक खाते में जमा करनी होगी। शेष 75 फीसदी राशि शासन द्वारा डीबीटी के माध्यम से भुगतान किया जाएगा। प्रशिक्षण पश्चात सर्टिफिकेट मिलेगा।

क्रियान्वयन जल्द शुरू होने वाला है...

मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना का क्रियान्वयन जल्द शुरू होने वाला है। अभी पोर्टल पर इसकी पूरी जानकारी अपलोड हो रही है। शीघ्र ही इसकी एक लिंक जारी होगी। इसके माध्यम से युवा रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। इसके बाद संबंधित कंपनियों द्वारा उनका साक्षात्कार लिया जाएगा और उनकी शैक्षणिक व टेक्निकल योग्यता के अनुसार प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कलेक्टर ने दवाई पिलाकर कि पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत

पहले दिन 1 लाख 83 हजार 361 नौनिहालों को पिलाई पोलियो रोधी दवाई

खरगोन । कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा ने रविवार को जिला अस्पताल में नौनिहालो को दो बूंद जिंदगी की पिलाकर पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत की। कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि जिले में यह अभियान तीन दिन तक चलेगा, उन्होंने अपील करते हुए कहा कि यह हमारा देश वर्तमान में पोलियो मुक्त है लेकिन पड़ोसी देशो में पोलियो के मामले अभी भी सामने आ रहे हैए इसलिए एहतियातन यह दवाई पिलाना जरुरी है। शहर में सामाजिक संस्थाओं व जिला चिकित्सालय में पोलियो बूथ लगाए गए जहां बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का काम किया गया। कलेक्टर ने सामाजिक संस्थाओं से भी अपील करते हुए कहा कि वे 0 से 5 वर्ष तक के बच्चो को पोलियो बूथ तक जरुर ले जाएं, पालको को प्रेरित करे, ताकि पहले ही दिन शत प्रतिशत बच्चो को दवाई पिलाई जा सके।

सीएमएचओ डॉ. डीएस चौहान एवं जिला मातृत्व एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय भट्ट ने बताया कि अभियान के तहत 0 से 05 वर्ष तक के 2 लाख 66 हजार 137 बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान अंतर्गत बी एवं सी टाईप के 1997 बुथ पोलियो की दवा पिलाने के लिए बनाए जाकर 3994 व्हेक्सीनेटर 259 सुपरवाईजर, 70 मोबाईल टीमों का गठन किया गया है। इस दौरान एसडीएम ओम नारायण सिंह सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे। समाचार लिखे जाने तक जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, उप स्वास्थ्य केन्द्रों, ग्राम आरोग्य केन्द्रों एवं आंगनवाड़ी भवनों में 0 से 5 वर्ष तक के 1 लाख 83 हजार 361 बच्चों को पोलियो अभियान अंतर्गत पोलियो रोधी दवाई पिलाई गई।

मंदसौर में यात्री बस पलटी, 3 की मौत

भोपाल से नीमच जाते वक्त हुआ हादसा, स्प्रीड ब्रेकर पर हुई अनियंत्रित

मंदसौर । रविवार को एक यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसमें 3 महिला यात्रियों की मौत हो गई। जबकि 20 से अधिक यात्री घायल हैं। घटना दलोदा थाना क्षेत्र के भावगढ़ फंटे पर करीब 3 बजे हुई है। यहां भोपाल से नीमच जा रही चार्टर्ड बस मंदसौर से करीब 18 किलोमीटर पहले भावगढ़ फंटे पर बने स्पीड ब्रेकर पर अनियंत्रित हो गई। इसके बाद बस फोर लेन की डिवाइडर तोड़ते हुए पलटी खा गई।

मंदसौर के 20 यात्री थे बस में सवार

जानकारी के मुताबिक 41 सीटर चार्टर्ड बस में नीमच के 17 यात्री और 20 यात्री मंदसौर के सवार थे। बस सुबह करीब 8 बजे भोपाल से निकली थी। जिसे 3 बजे के आसपास मंदसौर पहुंचना था। इससे पहले हादसा हो गया। बस का नीमच पहुंचने का समय शाम 4 बजे का है।

जेसीबी और लोगों की मदद से सभी को बाहर निकाला

दलौदा थाना प्रभारी संजीव सिंह परिहार ने बताया कि बस क्रमांक MP09S9113 रतलाम की तरफ से आ रही थी तो मंदसौर की तरफ जा रही थी। बस अनियंत्रित होकर पलटी खा गई। जिसके बाद आम लोगों और जेसीबी की मदद से रेस्क्यू कर सभी को बाहर निकाला गया है। सभी घायलों को जिला अस्पताल मंदसौर भर्ती कराया गया है। अभी तक की जानकारी में 3-4 लोगों की मौत हुई है।

नीमच में चार्टर्ड बस का ऑफिस बंद

मंदसौर के भावगढ़ फंटे पर हुई दुर्घटना के बाद बस में यात्रा कर रहे लोगों के परिजन नीमच स्थित चार्टर्ड ऑफिस पहुंच गए। यहां लोगों की बढ़ती भीड़ देखते हुए कर्मचारियों ने ऑफिस को बंद कर दिया। इस दौरान यात्रियों के परिजन परेशान होते नजर आए। बता दें, बस में नीमच के 17 यात्री सफर कर रहे थे।

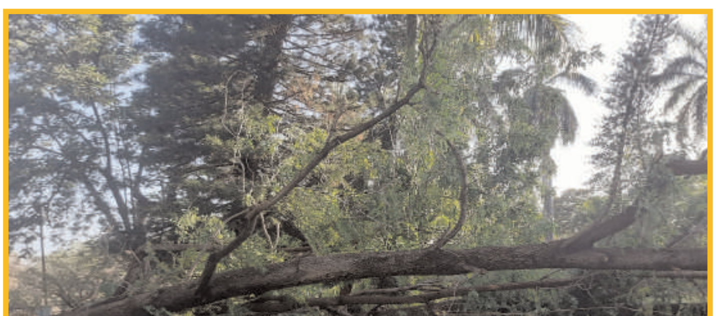

गत रात्रि आई आंधी तूफान से महू के यादव मोहल्ले के पास एक पीपल का वृक्ष धराशाही होकर एक मकान पर गिर गया, गनीमत रही कि पेड़ , मकान पर टिक गया वरना कई लोगों की जान जा सकती थी